

देश भक्त नर्तकी

चेतो, उठो ! कर्तव्य पथ का द्वार भट से खोलदो ।
हाँ ! एक स्वर से, एक होकर मातृभू जय बोलदो ॥

लेखक—

सैयद कासिमअली साहित्यालंकार
पत्रकार, जबलपुर

लेखक का सर्वाधिकार
स्वरक्षित }

{ मूल्य ३)
तीन रुपया।